मैं परमेश्वर को क्यों मानता हूँ?

1 मैं क्या विश्वास करता हूँ?

आपको क्यों यकीन है कि परमेश्वर वजूद में है? तीन बातें लिखिए।
मैं मानता हूँ कि परमेश्वर सचमुच में है क्योंकि . . .

1. .....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

2. .....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

3. .....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

तीन बातों में से उस बात पर गोल निशान लगाइए जिससे आपको ***सबसे ज़्यादा*** यकीन होता है कि परमेश्वर सचमुच में है।

अगर कोई परमेश्वर को नहीं मानता, तो आप इनमें से कौन-सी बात उसे बताएँगे, उस पर गोल निशान लगाइए।

आप नीचे दी गयी आयतों को कैसे समझाएँगे?

इब्रानियों 3:4

.....
.....
.....

रोमियों 1:20

.....
.....
.....

भजन 139:14

.....
.....
.....

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

2 मैं अपने विश्वास के बारे में कैसे समझाऊँगा?

मान लीजिए, स्कूल का कोई साथी आपसे कहता है, “मैं नहीं मानता कि कोई ईश्वर है। ***क्या तुम मानते हो?”*** लिखिए कि आप उसे क्या जवाब देंगे। याद रखिए, आपको घबराने की ज़रूरत नहीं और न ही अपने विश्वास के बारे में बताने में शर्मिंदा महसूस करना चाहिए। मगर हाँ, इस बात का ध्यान रखिए कि आप अपने साथी के विश्वास का आदर करें।—कुलुस्सियों 4:6.

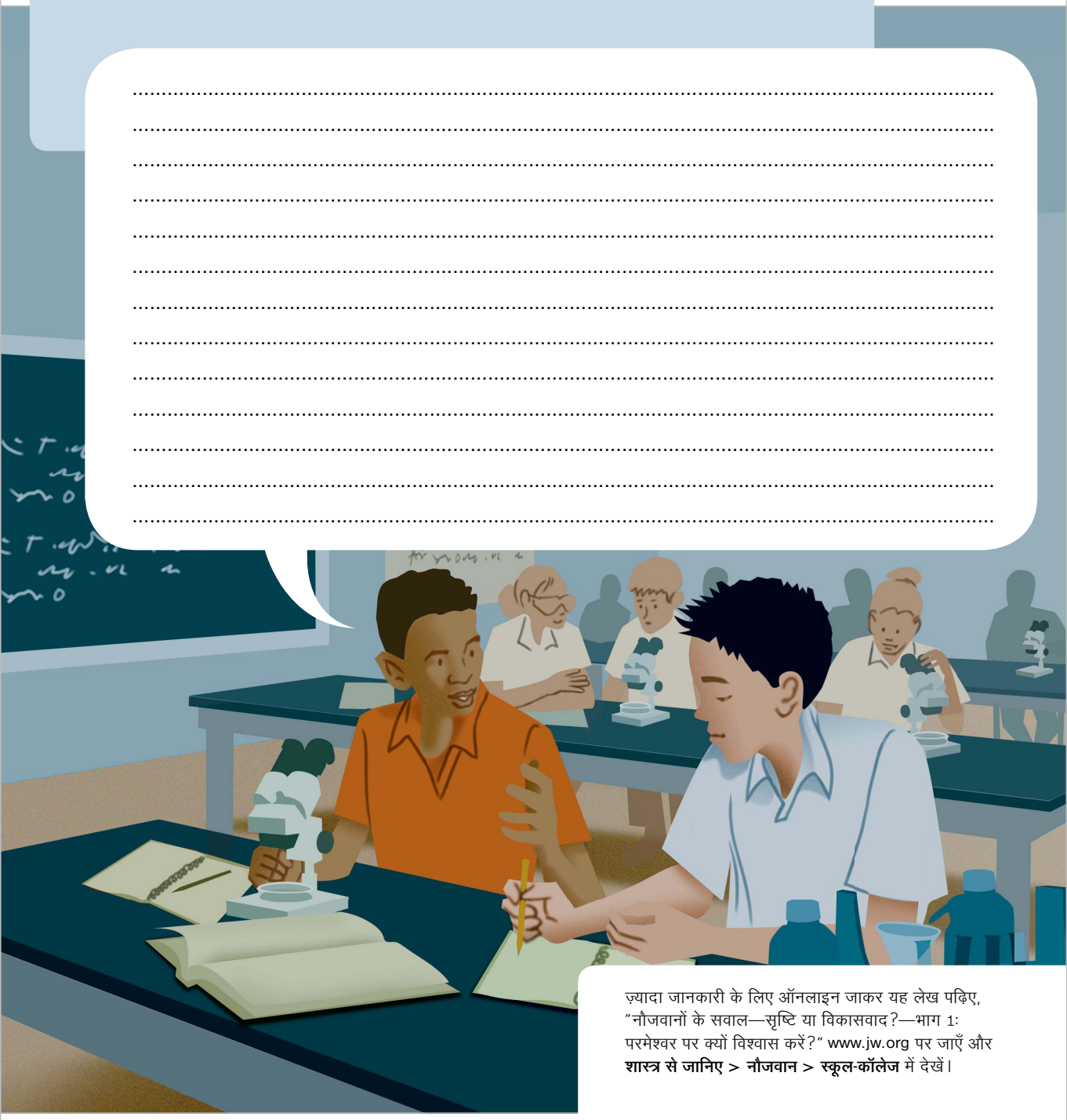

ज़्यादा जानकारी के लिए ऑनलाइन जाकर यह लेख पढ़िए, “नौजवानों के सवाल—सृष्टि या विकासवाद?—भाग 1: परमेश्वर पर क्यों विश्वास करें?” www.jw.org पर जाएँ और **शास्त्र से जानिए > नौजवान > स्कूल-कॉलेज** में देखें।

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania